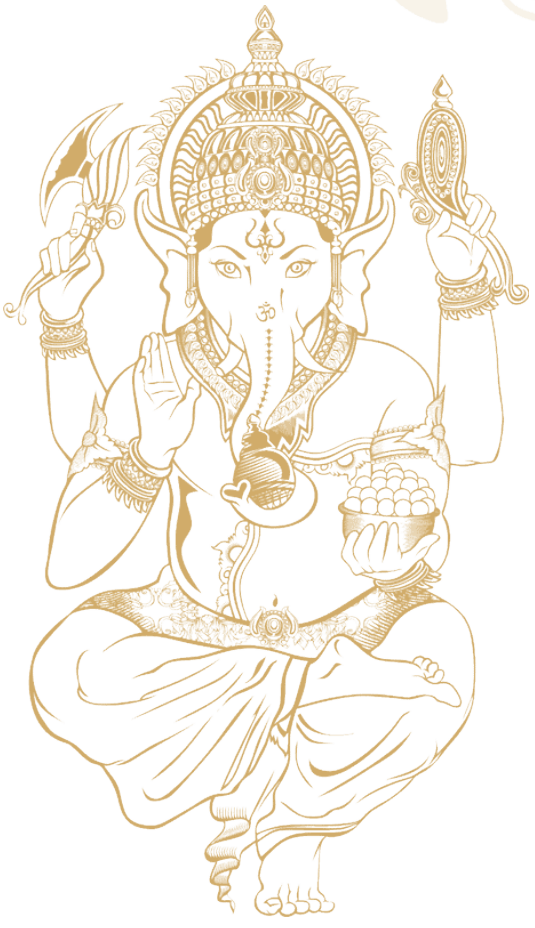

Sagar shukla

Muskan

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121935101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121935101 Date: 14/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/06/1998	जन्म तिथि	05/07/2000
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	11:20:00 घंटे
घटी 20:20:19	जन्म समय(घटी)	13:53:18 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Jalandhar
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	31:19:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:52	सूर्योदय	05:28:50
19:13:02	सूर्यास्त	19:35:35
23:50:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:36

कन्या	लग्न	कन्या
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	सिंह
गुरु	राशि-स्वामी	सूर्य
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	मघा
शनि	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	3
सौभाग्य	योग	सिद्धि
तैतिल	करण	विष्टि
ज--	जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	वनचर
गौ	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 2वर्ष 4मा 22दि		22:03:57	कन्या	लग्न	कन्या	03:12:30	केतु 2वर्ष 11मा 23दि	
शुक्र		03:04:32	मिथु	सूर्य	मिथु	19:39:14	सूर्य	
09/11/2024		14:59:10	मीन	चंद्र	सिंह	07:39:10	29/06/2023	
09/11/2044		23:50:15	वृष	मंगल	मिथु	18:36:27	29/06/2029	
शुक्र	10/03/2028	12:44:25	मिथु	बुध व	मिथु	21:36:22	सूर्य	17/10/2023
सूर्य	10/03/2029	02:49:56	मीन	गुरु	वृष	07:09:21	चन्द्र	16/04/2024
चन्द्र	09/11/2030	28:51:51	मेष	शुक्र	मिथु	26:11:32	मंगल	22/08/2024
मंगल	09/01/2032	07:01:06	मेष	शनि	वृष	03:13:27	राहु	17/07/2025
राहु	09/01/2035	10:04:44	सिंह व	राहु	कर्क	00:46:13	गुरु	05/05/2026
गुरु	09/09/2037	10:04:44	कुंभ व	केतु	मक	00:46:13	शनि	17/04/2027
शनि	09/11/2040	18:30:53	मक व	हर्ष व	मक	26:19:40	बुध	22/02/2028
बुध	10/09/2043	07:49:32	मक व	नेप व	मक	11:54:54	केतु	28/06/2028
केतु	09/11/2044	12:17:59	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:50:09	शुक्र	29/06/2029

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:36

लग्न-चलित

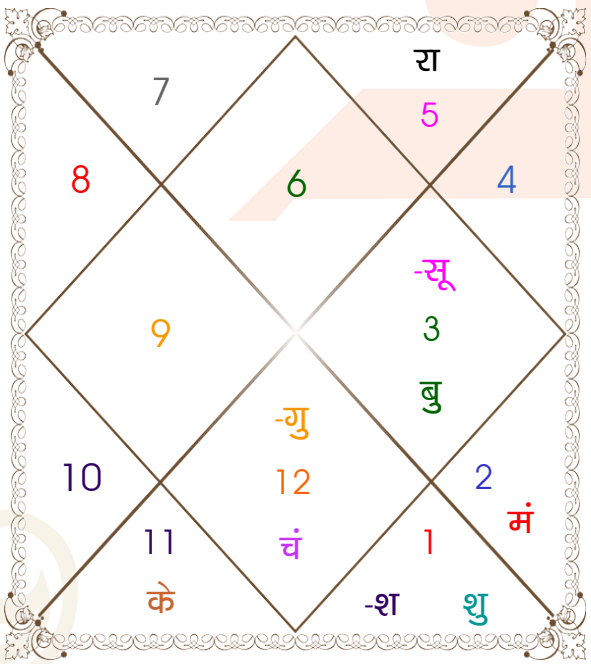

लग्न-चलित

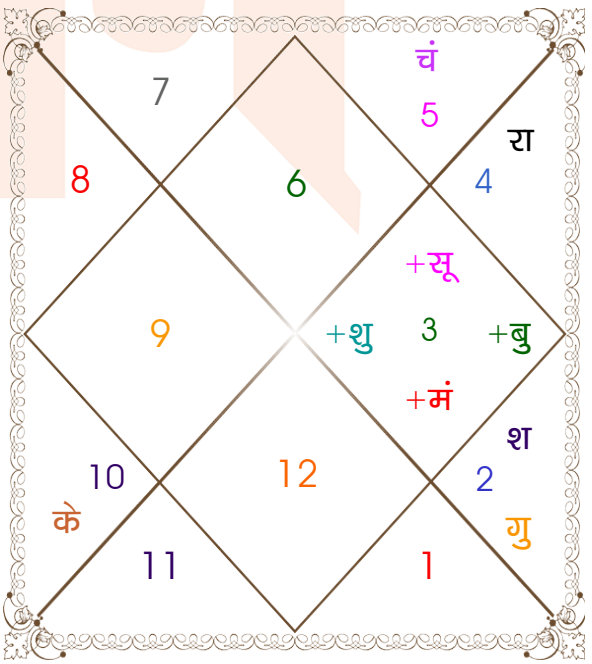

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

कुल : **18.5 / 36**

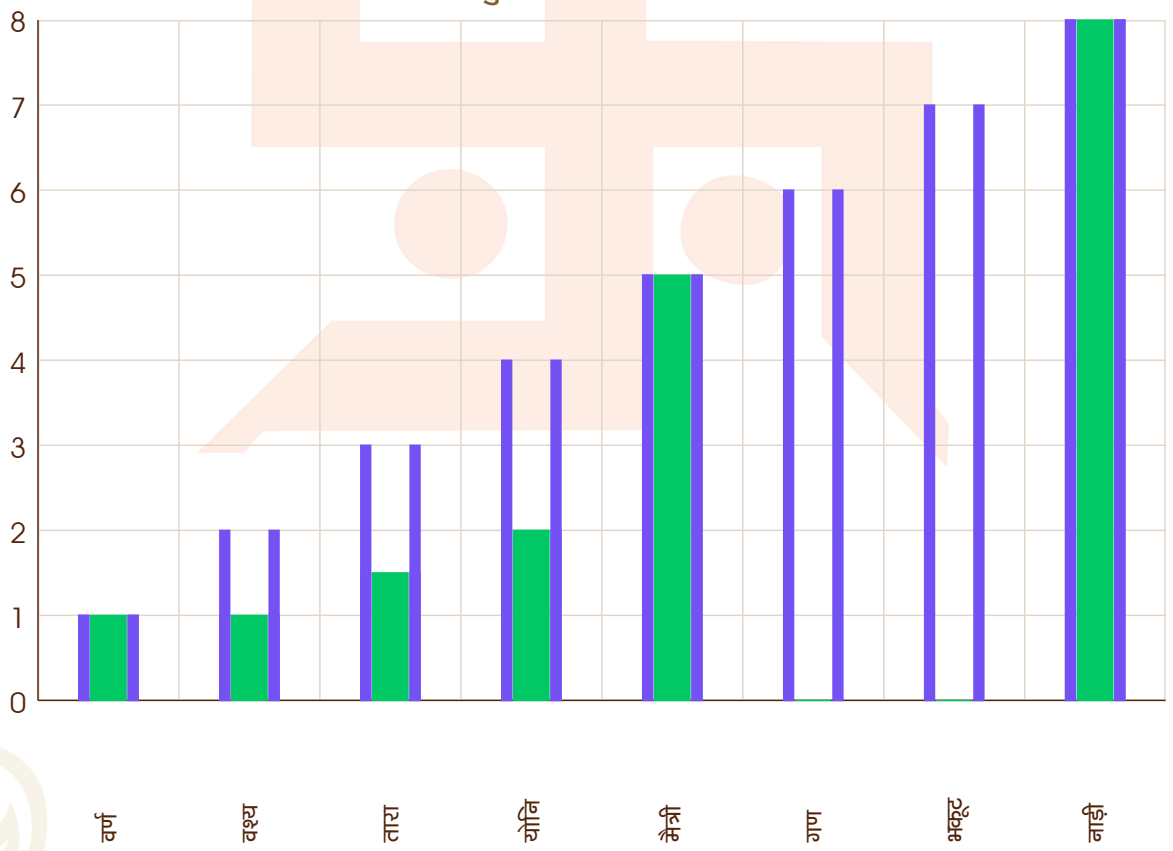

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ैहंतोनासं का वर्ग सिंह है तथा Muskan का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैहंतोनासं और Muskan का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ैहंतोनासं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Muskan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ैहंतोनासं तथा Muskan में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ैहंतोनासं का वर्ण ब्राह्मण तथा Muskan का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Muskan में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Muskan आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Muskan सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

ैहंतोनासं का वश्य जलचर है एवं Muskan का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं वनचर दो भिन्न वश्य हैं किंतु दोनों एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे हालांकि उनके स्वभाव, गुण, खान-पान एवं व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होंगे। जलचर ैहंतोनासं एवं वनचर Muskan का विवाह होने से दोनों के विचारों, पसंद/नापसंद में भिन्नता होने के बावजूद दोनों आपस में समझौता कर एवं सामंजस्य स्थापित कर खुशी पूर्वक जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

तारा

ैहंतोनासं की तारा मित्र तथा Muskan की तारा विपत है। Muskan की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान ैहंतोनासं एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Muskan का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

ैहंतोनासं की योनि गौ है तथा Muskan की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ैहंत ीनासं एवं Muskan दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ैहंत ीनासं एवं Muskan के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ैहंत ीनासं एवं Muskan जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ैहंत ीनासं का गण मनुष्य तथा Muskan का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Muskan का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण ैहंत ीनासं एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

ैहंत ीनासं से Muskan की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Muskan से ैहंत ीनासं की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण ैहंत ीनासं लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Muskan को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

ैंहंत ेिनासं की नाड़ी मध्य है तथा Muskan की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण ैंहंत ेिनासं एवं Muskan के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ँहंत`िनासं की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Muskan की राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। जल एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनमें स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक सुख भी मध्यम ही होगा। अतः यह मिलान मध्यम रहेगा।

ँहंत`िनासं की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Muskan की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। ँहंत`िनासं और Muskan एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग तथा विश्वास का भाव विद्यमान रहेगा फलतः वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

ँहंत`िनासं और Muskan की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके अशुभ प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में यदा कदा अल्पता आएगी तथा संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही परस्पर अंहकार तथा श्रेष्ठता के भाव से एक दूसरे के अस्तित्व को हीन समझने का प्रयास करेंगे। अतः दाम्पत्य जीवन में अशांति रहेगी। यदि ँहंत`िनासं और Muskan परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का परिचय दें तथा उचित व्यवहार करें तो अशुभ प्रभावों में न्यूनता की अनुभूति होगी।

ँहंत`िनासं का वश्य जलचर तथा Muskan का वश्य वनचर है। इन दोनों की परस्पर मित्रता होने के कारण ँहंत`िनासं और Muskan की अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। फलतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे जीवन की प्रसन्नता बनी रहेगी।

ँहंत`िनासं का वर्ण ब्राह्मण तथा Muskan का वर्ण क्षत्रिय है। अतः ँहंत`िनासं की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में रहेगी जबकि Muskan साहसिक तथा पराक्रमी कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत होंगी फलतः कार्य क्षेत्र की सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

ँहंत`िनासं और Muskan दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ैंहंत ीनासं की नाड़ी मध्य तथा Muskan की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ियां होने के कारण ये नाड़ी दोष से मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव सेंैंहंत ीनासं और Muskan दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से वे अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। इससे दाम्पत्य जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन को व्यतीत करने की दृष्टि से यह मिलान अनुकूल रहेगा तथाैंहंत ीनासं और Muskan सुख एवं आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि सेंैंहंत ीनासं और Muskan का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Muskan के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Muskan को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

ैंहंत ीनासं और Muskan बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतःैंहंत ीनासं और Muskan का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Muskan के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Muskan यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Muskan को कठिनाई का

सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Muskan को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

ैंहंत ीनासं की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय परैंहंत ीनासं सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिनैंहंत ीनासं ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों काैंहंत ीनासं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।